1. दो बैलों की कथा

–प्रेमचंद

पाठ्यपुस्तक प्रश्न

प्रश्न 1. कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी ?

उत्तर–कांजीहौस में लावारिस घूमते पशुओं को पकड़कर कैद करके रखा जाता है। वहाँ के रजिस्टर में उनका रिकार्ड रखा जाता है। वहाँ उनकी रोजाना हाजिरी ली जाती है। इससे यह पता चल जाता है कि कहीं कोई पशु भाग तो नहीं गया।

प्रश्न 2. छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया ?

उत्तर–छोटी बच्ची की माँ मर गई थी। उसकी सौतेली माँ उसे प्यार नहीं करती थी, बल्कि उसे मारती-पीटती थी। वह बच्ची प्यार की भूखी थी। घर में बैलों को भूखा देखकर उसके मन में उनके प्रति प्रेम उमड़ आता था। वह छिपकर उन्हें रोटी खिलाने आती थी। इससे उसे संतोष मिलता था।

प्रश्न 3. 'दो बैलों की कथा' के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभर कर सामने आए हैं ?

उत्तर–इस कहानी के माध्यम से निम्नलिखित नीति-विषयक मूल्य उभर कर सामने आए हैं–

- आपस में भ्रातृत्व की भावना रखनी चाहिए।
- अन्याय-अत्याचार का डटकर मुकाबला करना चाहिए।
- अत्यधिक सरलता और सहनशीलता गुण न होकर दोष है। ऐसे व्यक्ति को 'गधा' समझा जाता है।
- स्वतंत्रता जन्मसिद्ध अधिकार है। इसे पाने के लिए कष्ट उठाने को भी तैयार रहना चाहिए।
- औरत पर हाथ नहीं उठाना चाहिए।
- कमजोर की सहायता करनी चाहिए।
- साहसी होना चाहिए।

प्रश्न 4. 'दो बैलों की कथा' कहानी में प्रेमचंद ने गधे की किन स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' का प्रयोग न कर किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है ?

उत्तर–प्रेमचंद ने गधे की निम्नलिखित स्वभावगत विशेषताएँ बताई हैं–

- गधा सीधा होता है।
- वह सहनशील होता है।
- उसे कभी क्रोध नहीं आता।
- वह सुख-दुख में एक समान रहता है।
- उसके चेहरे पर हर समय विषाद छाया रहता है।

गधे की उपर्युक्त विशेषताओं के आधार पर उसके लिए रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' का प्रयोग प्रेमचंद की दृष्टि में अनुचित है। लेखक ने उसे ऋषि-मुनियों की श्रेणी में रखा है और कहा है कि गधे को मूर्ख कहना तो उसके उपर्युक्त गुणों का अनादर करना है।

प्रश्न 5. किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी ?

उत्तर–कहानी में ऐसी अनेक घटनाएँ हैं जिनसे पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी। उनमें से कुछ प्रमुख घटनाएँ इस प्रकार हैं–

(1) जब दोनों बैलों को गाड़ी में जोता जाता था तब दोनों की यही कोशिश रहती थी कि गाड़ी का अधिक भार दूसरे साथी के कंधे पर न जाकर उसके अपने कंधे पर आए।

(2) वे नाँद की खली-भूसी में एक साथ मुँह डालते थे तथा साथ ही बैठते थे।

(3) जब गया ने हीरा की नाक पर डंडा मारा तो मोती से सहा नहीं गया। वह हल, रस्सी, जुआ, जोत सब लेकर भाग पड़ा।

(4) मटर के खेत में दोनों बैल सींग मिलाकर एक-दूसरे को ठेल रहे थे तो मोती को लगा कि हीरा को क्रोध आ गया है। वह पीछे हट गया और दोस्ती बनाए रखने में कामयाब रहा।

(5) कांजीहौस में हीरा ने दीवार तोड़ी थी। उसे रस्सियों से बाँधा गया तो मोती ने भी उसका साथ दिया। उसने शेष दीवार भी तोड़ दी।

(6) हल से खुलने के बाद दोनों एक-दूसरे को चाटकर थकान मिटाते थे।

(7) बिगड़ैल साँड पर दोनों बैलों ने मिलकर हमला किया था।

प्रश्न 6. 'लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।'–हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–झूरी के घर में भैरों की लड़की पर अत्याचार होता था। मोती उस बच्ची की सौतेली माँ को सजा देना चाहता था, पर हीरा ने यह कहकर मना कर दिया कि हमारे यहाँ औरत जात पर सींग चलाना मना है।

प्रेमचन्द इस नैतिक-मानवीय मूल्य को प्रतिष्ठापित करना चाहते थे। वे जानते थे कि समाज में स्त्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है, उन्हें मारा-पीटा जाता है। हीरा प्रेमचंद के दृष्टिकोण की ही अभिव्यक्ति करता है। प्रेमचंद स्त्री पर सींग चलाने अर्थात् शारीरिक दंड देने के विरोधी थे। वे स्त्री जाति का सम्मान करते थे। उन्होंने समाज को जागरूक बनाना चाहा।

प्रश्न 7. किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है ?

उत्तर–किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य का आपस में गहरा संबंध है। वे एक-दूसरे पर आश्रित हैं। किसान अपने पशुओं से पुत्रवत् स्नेह करता है। पशु भी अपने स्वामी के लिए सर्वस्व बलिदान देने को तैयार रहते हैं। झूरी अपने बैलों से बड़ा स्नेह करता है। उसी ने उनके नाम हीरा-मोती रखे हैं। बैल भी झूरी को ही चाहते हैं। वे गया के घर से रस्सी तुड़ाकर भाग आते हैं। भैरो की लड़की का व्यवहार भी पशुओं के प्रति प्रेम को दर्शाता है। वह बैलों को भागने में मदद भी करती है। गाँव के लोग भी बैलों को लौटा देखकर उनका अभिनंदन करते हैं। इन बातों से मनुष्य और पशु के संबंध अभिव्यक्त होते हैं।

प्रश्न 8. 'इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे।'–मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए।

उत्तर–मोती स्वभाव से थोड़ा उग्र जरूर है, पर वह दूसरों का दुख नहीं देख सकता। वह विद्रोह करना जानता है। वह हीरा के बचे काम को पूरा करके कांजीहौस की दीवार को पूरी तरह तोड़ देता है और 9-10 जानवरों को भागने का अवसर प्रदान कर देता है। हीरा ने उसे संभावित मुसीबत से चेताया भी था, पर वह तो परोपकार की भावना के वशीभूत था। मोती साहसी है और अत्याचार को सहन नहीं करता। वह दूसरों की जान बचाकर और उनका आशीर्वाद लेकर खुश होता है।

प्रश्न 9. 'हीरा और मोती ने शोषण के खिलाफ़ आवाज़ उठाई लेकिन उसके लिए प्रताड़ना भी सही।' हीरा-मोती की इस प्रतिक्रिया पर तर्क सहित अपने विचार प्रकट करें।

उत्तर--हीरा-मोती ने हर प्रकार के अत्याचार के खिलाफ़ आवाज़ उठाई और उसके लिए प्रताड़ना भी झेली। उन्होंने गया के घर और कांजीहौस में होने वाले शोषण के विरुद्ध आवाज़ उठाई। भूखे रहे, डंडे खाए पर साहस नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने प्रयासों से कांजीहौस में बंद अन्य जानवरों को मुक्त कराया, बदले में स्वयं मार खाई। उन्हें कसाई के हाथों बेचा भी गया, पर फिर उन्होंने विद्रोह कर मुक्ति पा ली। शोषण के खिलाफ़ आवाज़ उठाने वालों को प्रताड़ना तो झेलनी ही पड़ती है, पर अंत में परिणाम सुखद होता है।

प्रश्न 10. 'दो बैलों की कथा' पढ़कर क्या आपको लगता है कि यह कहानी आजादी की लड़ाई की ओर संकेत करती है ?

उत्तर–हाँ, हमें ऐसा लगता है कि यह कहानी अप्रत्यक्ष रूप से आजादी की लड़ाई की ओर संकेत करती है। यह कहानी प्रतीक रूप में है। बैल उन भारतीयों के प्रतीक हैं जो अंग्रेजी शासन के शोषण के शिकार थे। उन्होंने अपनी आजादी के लिए

आवाज़ उठाई और पुलिस के डंडे खाए, पर घुटने नहीं टेके। भारतीय अंत तक स्वतंत्रता पाने के लिए संघर्ष करते रहे। अंत में सफलता मिल ही जाती है। प्रेमचंद ने भी हीरा-मोती के माध्यम से संघर्ष की भावना को प्रसारित किया है।